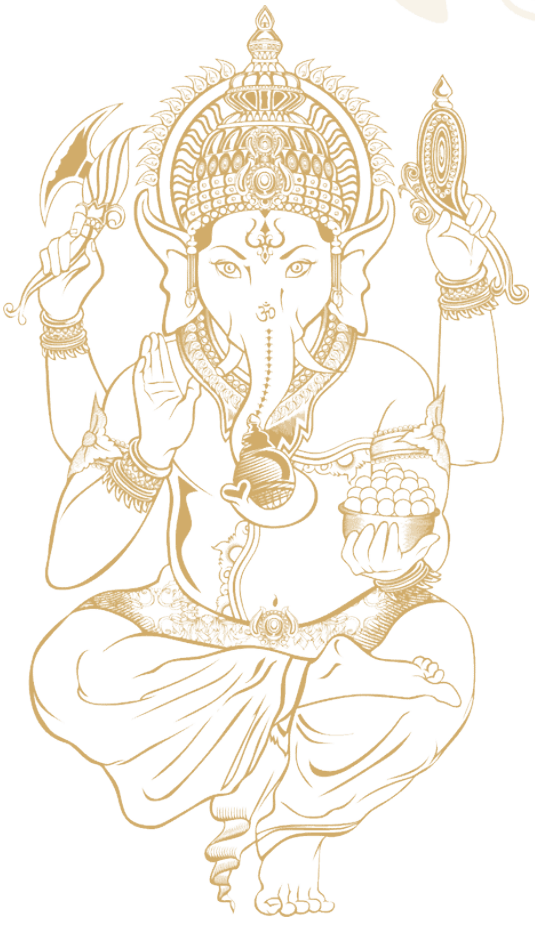

Mr.abhi

Ms.divya jishi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119719002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/10/1995	जन्म तिथि	14/11/1995
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	16:45:00 घंटे
घटी 15:54:33	जन्म समय(घटी)	25:09:02 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Haldwani
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	29:13:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	79:31:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:11:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:10	सूर्योदय	06:34:28
17:44:46	सूर्यास्त	17:18:00
23:48:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 19वर्ष 5मा 23दि		26:23:41	धनु	लग्न	मेष	19:02:38	शनि 0वर्ष 3मा 0दि	
चन्द्र		02:37:21	तुला	सूर्य	तुला	27:48:04	शुक्र	
13/04/2021		13:40:45	सिंह	चंद्र	कर्क	16:29:25	14/02/2020	
14/04/2031		05:47:21	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	24:07:09	14/02/2040	
चन्द्र	11/02/2022	14:28:17	कन्या	बुध	तुला	22:39:35	शुक्र	16/06/2023
मंगल	12/09/2022	19:57:06	वृश्चि	गुरु	वृश्चि	25:00:36	सूर्य	15/06/2024
राहु	13/03/2024	18:37:00	तुला	शुक्र	वृश्चि	19:55:45	चन्द्र	14/02/2026
गुरु	13/07/2025	25:05:19	कुंभ व	शनि व	कुंभ	24:14:33	मंगल	16/04/2027
शनि	12/02/2027	02:43:00	तुला	राहु व	तुला	02:23:03	राहु	15/04/2030
बुध	13/07/2028	02:43:00	मेष	केतु व	मेष	02:23:03	गुरु	14/12/2032
केतु	11/02/2029	02:48:22	मक	हर्ष	मक	03:21:37	शनि	14/02/2036
शुक्र	13/10/2030	29:02:16	धनु	नेप	धनु	29:25:12	बुध	15/12/2038
सूर्य	14/04/2031	05:23:58	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:20:35	केतु	14/02/2040

लग्न-चलित

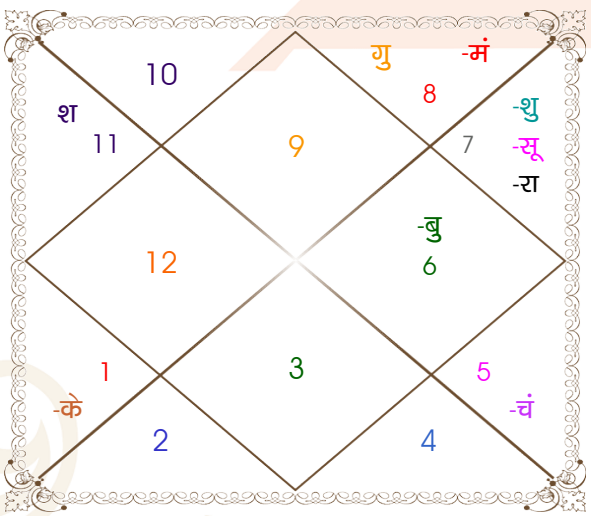

लग्न-चलित

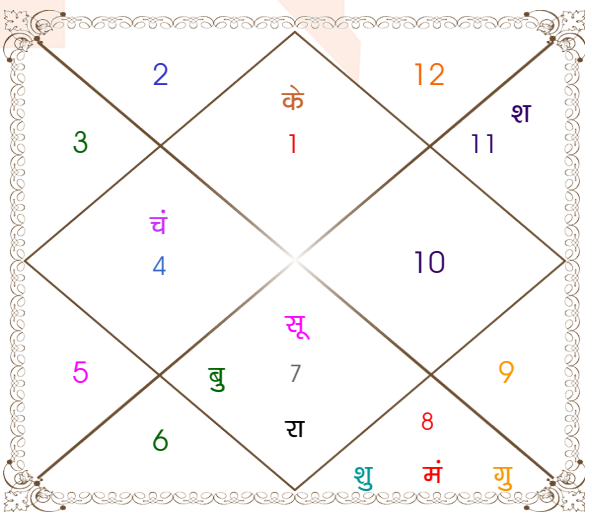

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.divya jishi का नक्षत्र पुष्य है।

Mr.abhi का वर्ग मूषक है तथा Ms.divya jishi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.abhi और Ms.divya jishi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.abhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhi कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो

जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.abhi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.divya jishi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.divya jishi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.divya jishi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.divya jishi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.abhi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

Mr.abhi तथा Ms.divya jishi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।